



# इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में सरकार, स्टार्टअप और क्रिएटर्स का संगम

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय मीडिया, गेमिंग और रचनात्मक प्रौद्योगिकियों में  
स्टार्टअप-आधारित एआई नवाचारों का प्रदर्शन कर रहा है



17 फरवरी, 2026

## प्रमुख बातें

- वेब्स क्रिएटर्स कॉर्नर रचनात्मक क्षेत्रों में बाजार के लिए निर्मित एआई समाधानों और संस्थापक-नेतृत्व वाले नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए प्राथमिक मंच के तौर पर कार्य करता है।
- एवीजीसी-एक्सआर और मीडिया टेक सेक्टर्स के 51 स्टार्टअप की भागीदारी भारत के एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम की गहराई और कार्यान्वयन में परिपक्वता को दर्शाती है।
- एमआईबी-अडोब की साझेदारी नए स्तर पर ले जाने लायक एआई-योग्य रचनात्मक वर्कफ्लो, फिल्ममेकिंग में नवाचार और मौलिक बौद्धिक संपदा निर्माण को उजागर करती है।
- एआई से चलने वाले गेमिंग और इमर्सिव मीडिया स्टार्टअप क्रिएटिव प्रोडक्शन, लाइव स्पोर्ट्स में सहभागिता, अनुकूलक गेमप्ले और उद्यम के इस्तेमाल के विषयों में अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करते हैं।

## प्रस्तावना

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का शुभारंभ 16 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर पहला अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन है। यह ऐतिहासिक आयोजन भारत को वैश्विक एआई संवाद में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हिस्सेदार के तौर पर स्थापित करता है, जो एआई-आधारित प्रगति पर जोर देता है और पीपुल (लोग), प्रोग्रेस (विकास) और प्लेनेट (ग्रह) को प्राथमिकता देता है। नवाचार और व्यापक तैनाती में अग्रणी स्टार्टअप्स के साथ, यह सम्मेलन समावेशी और संपोषित विकास को प्रोत्साहन देते हुए जिम्मेदार, स्वदेशी एआई क्षमताओं के लिए भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है।



इसका एक प्रमुख आकर्षण सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का समर्पित एमआईबी पवेलियन है, जो मीडिया, मनोरंजन, गेमिंग और रचनात्मक प्रौद्योगिकियों के संगम पर भारत के फलते-फूलते एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रदर्शित करता है। वेब्स क्रिएटर्स कॉर्नर के माध्यम से, पवेलियन लाइव परफॉर्मेंस, पैनल चर्चा, मास्टरक्लास, अनौपचारिक बातचीत और स्टार्टअप के प्रदर्शन के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करता है, जिससे संस्थापकों, नीति निर्माताओं, निवेशकों, रचनाकारों और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के बीच सीधा संवाद संभव हो पाता है।

इस प्रदर्शनी में मुख्य तौर पर एवीजीसी-एक्सआर (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) और मीडिया टेक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जहां 51 स्टार्टअप कंटेंट निर्माण, गहन अनुभव, बहुभाषी ट्रूल्स, अनुकूलक गेमप्ले और डिजिटल स्टोरीटेलिंग जैसे क्षेत्रों में बाजार के लिए तैयार, एआई से कार्यान्वित होने वाले समाधानों का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह फैलाव भारत सरकार की ओर से रचनात्मक अर्थव्यवस्था को विकास, रोजगार और नवाचार के एक रणनीतिक कार्यवाहक के तौर पर मान्यता देने को दर्शाता है।

## भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था में विकास को गति: केंद्रीय बजट 2026-27

रचनात्मक अर्थव्यवस्था में वे उद्योग शामिल हैं, जहां रचनात्मकता, संस्कृति, प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा से मूल्य निर्माण होता है। इसमें मीडिया और मनोरंजन, एनिमेशन और वीएफएक्स, गेमिंग, लाइव इवेंट और डिजिटल कंटेंट प्लेटफॉर्म शामिल हैं, जो वैश्विक बाजारों में काम करते हैं और जीडीपी, रोजगार और निर्यात में योगदान देते हैं। ऑरेंज इकोनॉमी की व्यापक परिकल्पना के अंतर्गत, संस्कृति और रचनात्मकता को रणनीतिक आर्थिक संपत्तियों के तौर पर देखा जाता है - विरासत और प्रतिभा को नवाचार, बाजार पहुंच और वैश्विक साझेदारी से जोड़कर आय और अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव तैयार किया जाता है।

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) और एआई इम्पैक्ट समिट 2026 जैसे प्लेटफॉर्म रचनाकारों, स्टार्टअप्स, निवेशकों और नीति निर्माताओं को जोड़कर सह-निर्माण, आईपी मार्केटप्लेस लिंकेज, इनक्यूबेशन और सीमा पार सहयोग को योग्य बनाकर इस विचार को वास्तविक बनाते हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 इस दिशा को और मजबूत करता है, जिसमें रचनात्मक (ऑरेंज) अर्थव्यवस्था को विकास, रोजगार और नवाचार के कार्यवाहक के तौर पर मान्यता दी गई है, खास तौर पर एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) सेक्टर पर जोर दिया गया है, जो डिजिटल और एआई-आधारित निर्माण से जुड़ा हुआ है। यह बजट इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (आईआईसीटी), मुंबई को देश भर के 15,000 माध्यमिक विद्यालयों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने में मदद करता है, जिससे कुशल प्रतिभाओं का एक मजबूत स्रोत तैयार हो सके। एवीजीसी क्षेत्र में 2030 तक लगभग 20 लाख पेशेवरों की आवश्यकता का अनुमान है, जो रचनात्मक अर्थव्यवस्था को डिजिटल पीढ़ी के लिए रोजगार का एक प्रमुख स्रोत बनाता है।

**एमआईबी पवेलियन: फोकस क्षेत्र और मुख्य विशेषताएं**

एमआईबी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में मीडिया, मनोरंजन, गेमिंग और रचनात्मक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भारत की एआई स्टार्टअप क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक समर्पित पवेलियन तैयार किया है। यह पवेलियन एक ऐसे सेक्टर में काम करता है, जो सांस्कृतिक महत्व से आर्थिक केंद्र में परिवर्तित हो चुका है।



भारत के मीडिया और मनोरंजन सेक्टर का वैल्यूएशन 2024 में लगभग ₹2.5 ट्रिलियन था, और अनुमान है कि 2027 तक इसका कुल राजस्व ₹3.067 ट्रिलियन तक पहुंच जाएगा, जो लगभग 7 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा। अकेले डिजिटल मीडिया का इस क्षेत्र के राजस्व में लगभग एक तिहाई हिस्सा है, जो प्लेटफॉर्म-आधारित प्रोडक्शन और वितरण मॉडल की ओर तेजी से हो रहे बदलाव को प्रतिबिंबित करता है। बड़ा इकोसिस्टम प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 10 मिलियन से अधिक लोगों की आजीविका में सहयोग करता है और लगभग ₹3 लाख करोड़ का वार्षिक उत्पादन करता है।

इस विस्तृत कार्यक्रम में, पवेलियन तीन प्रमुख क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी निर्माताओं, कंटेंट निर्माताओं, निवेशकों, नीति निर्माताओं और वैश्विक हितधारकों को एक साथ लाता है:

- **मीडिया और मनोरंजन:** कंटेंट निर्माण, उत्पादन और वितरण के लिए एआई-संचालित समाधान पवेलियन के प्रदर्शन का केंद्र बिंदु हैं। यह खंड, एक ऐसी मीडिया इंडस्ट्री में काम करता है, जहां:
  - डिजिटल मीडिया राजस्व 2024 में ₹802 बिलियन था, जिसके 2027 तक ₹1,104 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।
  - फिल्म मनोरंजन से 2024 में ₹187 बिलियन की आय हुई, जिसमें स्थिर प्रगति का अनुमान है।
  - एनिमेशन और वीएफएक्स का योगदान 2024 में लगभग ₹103 बिलियन रहा, जिसके 2027 तक बढ़कर ₹147 बिलियन होने की उम्मीद है।

स्टार्टअप एआई-सहायता से फिल्म निर्माण, वर्चुअल प्रोडक्शन, स्वचालित संपादन, बहुभाषी डबिंग, वॉइस सिंथेसिस, एआई अवतार और डिजिटल स्टोरीटेलिंग टूल्स का प्रदर्शन कर रहे हैं। ये एप्लिकेशन प्रोडक्शन प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाते हैं और विविध भाषाई बाजारों वाले देश में बहुभाषी पहुंच का विस्तार करते हैं। जैसे-जैसे डिजिटल राजस्व पारंपरिक प्रारूपों से आगे निकल रहा है, एआई एकीकरण कंटेंट वर्कफलो में मापनीयता और लागत अनुकूलन को मजबूत कर रहा है।

- **गेमिंग और इमर्सिव टेक्नोलॉजीज़:** गेमिंग भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है।
  - ऑनलाइन गेमिंग ने 2024 में ₹232 बिलियन का राजस्व अर्जित किया, जिसके 2027 तक ₹316 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।
  - यह क्षेत्र एवीजीसी-एक्सआर इकोसिस्टम के सबसे गतिशील घटकों में से एक है।

मोबाइल की बढ़ती पहुंच और डिजिटल तौर पर जागरूक आबादी के कारण भारत यूजर्स बेस के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े गेमिंग बाजारों में शुमार है। बढ़ते मुद्रीकरण, घरेलू स्टूडियो का विस्तार और वैश्विक प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण से गेमिंग का स्वरूप लोगों के प्लेटफार्म पर भागीदारी से बदलकर एक सुनियोजित डिजिटल उद्योग प्रगति में तब्दील हो रहा है।

एमआईबी पवेलियन में प्रदर्शित की गई चीजों में गेम एसेट डेवलपमेंट के लिए जेनरेटिव एआई, रियल-टाइम कमेंट्री सिस्टम, एडाप्टिव गेमप्ले इंजन, इमर्सिव वातावरण और इंटरैक्टिव स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी शामिल हैं। ये नवाचार गेमिंग के उपभोग से एआई-आधारित गेम्स का निर्माण और इमर्सिव प्लेटफार्म निर्माण की ओर बदलाव को दिखाते हैं।

- **रचनात्मक और सामग्री प्रौद्योगिकियां:** एनिमेशन, दृश्य प्रभाव, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटैड रियल्टी से जुड़ा व्यापक एवीजीसी-एक्सआर इकोसिस्टम, रचनात्मक अर्थव्यवस्था का सबसे अधिक प्रौद्योगिकी-प्रधान क्षेत्र है।

भारत का एनिमेशन और वीएफएक्स क्षेत्र एक वैश्विक स्तर पर एकीकृत उत्पादन केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो अंतरराष्ट्रीय फिल्मों, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, विज्ञापन अभियानों और इमर्सिव एक्सपीरियंस में योगदान देता है। बैंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, पुणे, चेन्नई और तिरुवनंतपुरम में स्थापित रचनात्मक केंद्र इस इकोसिस्टम को आधार प्रदान करते हैं, जिन्हें मध्य-स्तरीय और वरिष्ठ प्रतिभाओं के बढ़ते आधार का सहयोग प्राप्त है।

एमआईबी पवेलियन में पॉडकास्ट, वर्चुअल स्टूडियो, इमर्सिव थिएटर, अनुभवात्मक मीडिया और निर्माता उपकरणों के लिए एआई अनुप्रयोग प्रदर्शित किए गए हैं, जो इन उत्पादन प्रक्रियाओं में एकीकृत होते हैं। एवीजीसी सेक्टर में अगले दशक में लगभग 20 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के निर्माण के अनुमान के साथ, एआई-योग्य क्रिएटिव टेक्नोलॉजी आर्थिक और रोजगार दोनों के गुणक के रूप में उभर रही हैं।

### एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एमआईबी पवेलियन की प्रमुख विशेषताएं

- एमआईबी पवेलियन के भीतर स्थित वेब्स क्रिएटर्स कॉर्नर, पैनल चर्चाओं, मास्टरक्लास, अनौपचारिक विचार-विमर्श और स्टार्टअप प्रदर्शनियों के लिए एक सुव्यवस्थित मंच प्रदान करता है।
- भारत के एवीजीसी-एक्सआर और मीडिया टेक क्षेत्र के 51 स्टार्टअप इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में एआई-आधारित नवाचारों का प्रदर्शन कर रहे हैं।
- एमआईबी के साथ साझेदारी में अडोब, इंडिया एआई के दौरान भारत के एआई-योग्य क्रिएटिव इकोसिस्टम का प्रदर्शन कर रहा है। इसमें एक प्रमुख आकर्षण कथावतार है, जो भारत में निर्मित पांच एआई शॉर्ट फिल्मों - **लैंगवेज ऑफ बर्ड्स, मिगोई, उत्तरायण, द बार्बर्स सीक्रेट** और **यप्पासौरस** - का एक सुनियोजित प्रदर्शन है, जिसे वेब्स क्रिएटर्स कॉर्नर के एआई थिएटर में प्रदर्शित किया गया। अडोब “फिल्म का भविष्य: एआई, रचनात्मकता और शिल्प” शीर्षक से एक विशेष सत्र का आयोजन कर रहा है, साथ ही एक कंटेंट क्रिएशन हब भी है, जो एआई-आधारित वीडियो प्रोडक्शन वर्कफ्लो का प्रदर्शन करेगा, जिससे तेज, बड़े स्तर पर और नया कंटेंट निर्माण संभव होगा।

- प्रख्यात फिल्म निर्देशक शेखर कपूर एआई-संचालित कहानी कहने और सिनेमाई प्रथाओं के विकास पर एक मास्टरक्लास का नेतृत्व करेंगे।
- प्रमुख प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों में जीरो-टच ऑटोनॉमस न्यूजर्लम, बहुभाषी डबिंग और एआई सांकेतिक भाषा अवतारों के साथ भाषा-वॉल, संवाद सेतु, द डायरेक्टर्स चेयर, एआई पॉडकास्ट स्टूडियो, संवादात्मक ह्यूमेनॉइड रोबोट और वॉयस क्लोनिंग समाधान शामिल हैं।
- भाषासेतु और कलासेतु चैलेज के विजेता सांस्कृतिक संरक्षण और भाषाई सुलभता के लिए एआई उपकरण प्रस्तुत करेंगे।
- 270-डिग्री प्रोजेक्शन और आकाशीय डिजाइन वाला एआई इमर्सिव थिएटर, चुनिंदा एआई फिल्में और इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के सिनेमाएआई हैकेथॉन के फाइनलिस्ट प्रदर्शित किए जाएंगे।
- एमआईबी पवेलियन में निर्धारित सत्रों में एलटीएम ब्लूर्स, एडब्ल्यूएस, गूगल विद एवरजेंट, सोनी रिसर्च इंडिया, पर्पलटॉक, डैशवर्स, पॉकेट एफएम, कूकू एफएम और लुमिकाई के नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा, जो जानकारी के आदान-प्रदान, नीतिगत संवाद और जिम्मेदार एआई रचनात्मक सेवाओं में भारत के नेतृत्व को प्रोत्साहन देंगे।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एमआईबी पवेलियन भारत की बढ़ती रचनात्मक अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख आकर्षण है, जहां वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर के अंतर्गत 51 एआई-आधारित स्टार्टअप, उद्योग जगत के अग्रणी और वैश्विक साझेदार एक साथ आए हैं। इमर्सिव थिएटर अनुभवों, एडवांस न्यूज रूम और गेमिंग तकनीकों जैसे प्रदर्शनों के जरिए, एमआईबी पवेलियन कंटेंट निर्माण और डिजिटल प्लेटफॉर्म में एआई के व्यावहारिक एकीकरण को प्रदर्शित करता है। ये सभी आकर्षण मिलकर एक ऐसे क्षेत्र को दर्शाते हैं जो मूल्य, क्षमता और वैश्विक प्रासंगिकता के मामले में तेजी से विकसित हो रहा है।

**भारत के एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारतीय एआई और गेमिंग स्टार्टअप्स ने प्रमुख भूमिका निभाई**

एआई-संचालित गेमिंग और इमर्सिव मीडिया भारत के बढ़ते एवीजीसी इकोसिस्टम में एक रणनीतिक स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। यह सम्मेलन इस विषय पर प्रकाश डालता है कि एआई किस प्रकार प्रोडक्शन पाइपलाइन को गति देता है, इंटरैक्टिव स्टोरीटेलिंग को बेहतर बनाता है और मौलिक आईपी निर्माण को प्रोत्साहन देता है।



गेमिंग और इंटरैक्टिव टेक्नोलॉजी श्रेणी के अंतर्गत, पांच अग्रणी भारतीय स्टार्टअप अत्याधुनिक एआई-संचालित समाधानों का प्रदर्शन करेंगे, जो एआई, गेमिंग, इमर्सिव मीडिया और उद्यम परिवर्तन के क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व को उजागर करेंगे।

- **रचनात्मक उत्पादन के लिए जेनेरेटिव एआई:** यसबनोम गेम स्टूडियो और क्रिएटिव टीमों के लिए तैयार किया गया एक एडवांस कला-उत्पादन मंच, स्केटली एआई प्रस्तुत करेगा। उत्पादन के लिए तैयार एसेट जेनेरेशन, मालिकाना स्टाइल ट्रेनिंग, तेज पुनरावृति और स्केलेबल वर्कफ्लो को सक्षम करके, यह मंच दर्शाता है कि कैसे एआई कंटेंट पाइपलाइन को बदल रहा है, कलात्मक सामंजस्य और स्टूडियो पहचान को बनाए रखते हुए बाधाओं को कम कर रहा है।
- **स्पोर्ट्स गेमिंग में रियल-टाइम जनरेटिव एआई:** मेटास्पोर्ट्स (हिटविकेट) अपने मल्टीप्लेयर क्रिकेट प्लेटफॉर्म में एकीकृत जनरेटिव एआई-संचालित लाइव कमेंट्री इंजन का प्रदर्शन करेगा। गेमप्ले का त्वरित समय पर विश्लेषण करके और प्रासंगिक, आवाज-योग्य कमेंट्री प्रदान करके, यह सिस्टम खेल में तल्लीनता और वैयक्तिकरण को बढ़ाता है, यह दर्शाता है कि एआई के माध्यम से कहानी कहने की कला इंटरैक्टिव स्पोर्ट्स मनोरंजन को कैसे बेहतर बनाती है।

- **कंसोल-स्तरीय मोबाइल गेमिंग इकोसिस्टम:** कोयोजो अपने एकीकृत हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर इकोसिस्टम का प्रदर्शन करेगा, जो स्मार्टफोन को कंसोल-स्तरीय गेमिंग डिवाइस में बदल देता है। इंटेलिजेंट बटन मैपिंग, रिमोट प्ले इंटिग्रेशन, परफॉर्मेंस एनालिटिक्स और मॉड्यूलर हार्डवेयर इनोवेशन के माध्यम से, यह प्लेटफॉर्म भारत के मोबाइल गेमिंग इकोसिस्टम में फैले हुए बिखराव को दूर करते हुए उच्च-प्रदर्शन प्रतिस्पर्धी गेमप्ले को सक्षम बनाता है।
- **मानव बनाम एआई इंटरैक्टिव एक्सपीरियंस:** यूथ बज (ऑर्केडियम) "मैन वर्सस जीपीटी" प्रस्तुत करेगा, जो एक लाइव, अनुकूलनीय गेमप्ले प्रारूप है, जिसमें मानव प्रतिभागी त्वरित समय में सीखने और विकसित होने वाले एआई एजेंटों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह शोकेस जटिल एआई तंत्रों को सरल बनाकर दर्शकों के लिए आकर्षक अनुभव प्रदान करता है, जो इंटरैक्टिव मनोरंजन में मौलिक बौद्धिक संपदा की दिशा में भारत के प्रयासों को उजागर करता है।
- **एंटरप्राइज कॉग्निटिव एआई रेडीनेस:** इवाविव अपने न्यूरोसाइंस-आधारित एएफईआरआर मॉडल पर आधारित एंटरप्राइज कॉग्निटिव एआई रेडीनेस टूल का अनावरण करेगा। सम्मेलन में एक लाइव डायग्नोस्टिक लैब के रूप में काम करते हुए, यह टूल एआई को अपनाने के लिए नेतृत्व और संगठनात्मक तैयारियों का मूल्यांकन करता है, तकनीकी मापदंडों से आगे बढ़कर संज्ञानात्मक अनुकूलन क्षमता और बुद्धिमान प्रणालियों के साथ निर्णय लेने की क्षमता के संरेखण का आकलन करता है।

### भारत के एआई गेमिंग भविष्य में निवेश

गेम डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित "नया स्वर्णिम युग: भारत के एआई-संचालित गेमिंग भविष्य में निवेश" शीर्षक से एक विशेष पैनल चर्चा में वैश्विक निवेशक और उद्योग जगत के नेता भारत के एआई-संचालित गेम विकास और इंटरैक्टिव मीडिया में बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करने के लिए एकत्रित होंगे।

इस सत्र में निवेश के बदलते रुझानों, एआई-सक्षम उत्पादन मॉडलों, कौशल विकास पहलों और उन नीतिगत ढांचों का विश्लेषण किया जाएगा, जो एआई-संचालित गेमिंग नवाचार में भारत को वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने में तेजी लाने के लिए आवश्यक हैं।

ये स्टार्टअप मिलकर यह दर्शाते हैं कि एआई किस प्रकार प्रयोग के दायरे से आगे बढ़कर गेमिंग उत्पादन, इमर्सिव एक्सपीरियंस और उद्यम परिवर्तन फ्रेमवर्क में मिल हो रहा है। इनके समाधान एक परिपक्व इकोसिस्टम को प्रतिबिंबित करते हैं, जो रचनात्मक नवाचार को स्केलेबल प्रौद्योगिकी तैनाती के साथ जोड़ता है। सामूहिक आधार पर, ये भारत को केवल उपभोक्ता बाजार के बजाय एआई-आधारित गेमिंग प्लेटफॉर्म के विकासकर्ता के रूप में उभरने का संकेत देते हैं।

## भारतीय रचनात्मक उद्योग के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारतीय एआई स्टार्टअप्स और रचनात्मक पेशेवरों के लिए वैश्विक नवाचार, पूँजी और नीति नेटवर्क से जुड़ने के नए रास्ते खोले हैं। 300 से अधिक चुनिंदा पवेलियन और लाइव प्रदर्शनों के साथ, इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में 600 से अधिक स्टार्टअप और 13 देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहे हैं, जो मीडिया और मनोरंजन, एवीजीसी-एक्सआर, गेमिंग, इमर्सिव टेक्नोलॉजी और डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान को प्रोत्साहन दे रहे हैं।

100 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों, अनुसंधान निकायों और सार्वजनिक संस्थानों की भागीदारी अंतरराष्ट्रीय उत्पादन प्रणालियों और नियामक परिदृश्यों की जानकारी प्रदान करती है। इस तरह के आदान-प्रदान रचनात्मक एआई, एनिमेशन, गेमिंग और आईपी-आधारित सामग्री में मानक निर्माण में सहयोग करते हैं, साथ ही सह-निर्माण, निवेश और नए बाजार अवसरों के दरवाजे खोलते हैं।

नवाचार चुनौतियां और रणनीतिक संवाद एआई मानकों और डिजिटल व्यापार फ्रेमवर्क को आकार देने वाले प्रभावशाली वैश्विक मंचों में भारतीय उद्यमों की स्थिति को और मजबूत करते हैं। ये

सभी सहभागिताएं मिलकर भारत की रचनात्मक और एआई-संचालित उद्योगों को विश्व स्तर पर विस्तारित करने की क्षमता को मजबूत करती हैं, साथ ही एक जिम्मेदार, समावेशी और विस्तार योग्य वैशिक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देती हैं।

## निष्कर्ष

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एमआईबी पवेलियन यह दर्शाता है कि भारत किस प्रकार स्टार्टअप्स, क्रिएटर्स और नवाचारियों के नेतृत्व में अपने एआई विजन को मूर्त और बाजार के लिए तैयार परिणामों में परिवर्तित कर रहा है। मीडिया, गेमिंग, इमर्सिव और क्रिएटिव तकनीकों के मिलकर किए गए प्रदर्शन के माध्यम से, एमआईबी पवेलियन भारत की एआई क्षमताओं की गहराई और प्रौद्योगिकी, संस्कृति और उद्यम के बढ़ते फैलाव को उजागर करता है।

पांच दिनों के सुनियोजित कार्यक्रम के माध्यम से, पवेलियन स्टार्टअप्स, नीति निर्माताओं, निवेशकों, क्रिएटर्स और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के बीच निरंतर जुड़ाव को सक्षम बनाएगा। संस्थापक-नेतृत्व वाली कहानियों, नीतिगत संवाद और उद्योग सहयोग ने मिलकर भारतीय एआई नवाचार को वैशिक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और स्थानीय स्तर पर मजबूत स्थिति में स्थापित किया है।

स्टार्टअप प्रदर्शनियों, रचनात्मक प्रयोगों, शासन संबंधी चर्चाओं और वैशिक बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के मेल से, यह पवेलियन भारत के जिम्मेदार, समावेशी और विस्तार योग्य एआई विकास के दृष्टिकोण को भी मजबूत करेगा। यह एआई-आधारित प्लेटफॉर्म बनाने, रचनात्मक अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और वैशिक दक्षिण से भारत को वैशिक एआई पारिस्थितिकी तंत्र में एक अग्रणी योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करने की व्यापक राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को प्रत्यक्ष तौर पर प्रतिबिंबित करता है।

## संदर्भ

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2228593&reg=3&lang=1>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2228676&reg=3&lang=1>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2228683&reg=3&lang=1>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2221825&reg=3&lang=1>

### **प्रधानमंत्री कार्यालय**

- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2228350&lang=1&reg=3>

### **पत्र सूचना कार्यालय**

- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2228572&reg=3&lang=2#:~:text=The%20Orange%20Economy%20treats%20culture,property%20generate%20income%20and%20jobs.>

### **पीआईबी शोध इकाई**

### **पीके/केसी/एमएम**